tion Hour. You know the rule, you know everything. The whole world know...

SHRi PARVATHANENT UPEND-RA: *

MR. CHAIRMAN; The whole world knows that I decide matters according to correct things. The whole world knows that I did not permit this side to raise things. Mr. Gurupadaswamy you were there. And I cannot change it overnight because the things have changed, you have decided to change things, cannot. I have done it. I have permitted you one day. I per. mitted you fully. Now it i_s not correct. You look to you*" own conscience. I am not stopping you from raising it but after the Question Hour. *(Interruptions).* I cannot be called guilty of double standards.

SHRI DIPEN GHOSH:

MR. CHAIRMAN: That *in none* of my business. You know that I do not belong to the Congress Party. The matter ends.

SHRI DIPEN GHOSH: *

MR. CHAIRMAN: This is the question Hour. Till the last day of the last session of this House you have seen my views. Mr. Jaipal Reddy, in the last session of this House you were sitting here. You saw my view last time. Now I can't change it. You may change your sides or do whatever you like, but so far as I am concerned, I will stick to what I followed then. I am not stopping you. ... *(In. terruptions)* ■. ■ After Question Hour, please. ... (Interruptions) .. After Question $Hour_s$ after Question Hour.

..(Interruptions) ...I will not per. mit. The matter is clear, and if you are not satisfied—I want to make it very clear—you can remove me. I don't care. But, so long as I am alive. I will stick to one standard. I can't change what I said in the last session ... *(Interruptions)*

SOME HONOURABLE MEMBERS: We walk out _____*(nterruptions)*

'Not recorded.

[At this stage, some honourable Members left the Chamber]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Damage to Railway Properties during the Anti-Reservation Stir

21. CHOWDHRY HARI SINGHf DR. HATNAKAR PANDEY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what was the estimated loss suffered by the Railways during the recent months due to the anti-reservation stir by the students throughout the country, so far.

(b) whether there are any proposals under Goevrnment's consideration to raise the railway fares in order to offset that huge loss; and

(c) if so, what are the detail. thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRi JANESHWAR MISHRA): (a) While the losg suffered cannot *bo* quantified precisely, it is approximately in the range of Rs. 100 crores.

(b) and (c) No concrete proposal has yet been formalised.

चौधरी हरि सिंह : माननीय सभापति जी, मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि लगभग एक सौ करोड़ रुपए की रेलवे प्रोपर्टीज का नुकसान एजीटेशन के दौरान हुआ है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह रेलवे की किस तरह की प्रोपर्टी का नुकसान हुआ है और किस रेलवे यानी नार्दन, ईस्टर्न या सदर्न, किस रेलवे में अधिक प्रोपर्टी का नुकसान हुआ है और किस स्टेट में कितना हुआ है। इसका ब्यौरा क्या आपके पास है ? अगर है तो उसको बताने की कृपा करें। नंबर दो, यदि इस वक्त आपके पास न हो तो उसे बाद में सदन के पटल पर रख दें क्योंकि मेरी जानकारी यह है कि सौ करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ

tThe question was actually asked on the floor of the House by Chowdhry Had Singh.

है। आप इसका पूरा कंपलीट ब्यौरा, जो लोसेस की स्थिति है, डेस्ट्रक्शन का, डमेजेज का या दूसर, उसको सदन के पटल पर रखने की कृपा करें।

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति जी, पिछले दिनों जो आंदोलन हुआ था आरक्षण विरोधी, उसके दौरान रेल के इंजिन, डिब्बे, स्टेशन, सिग्नल के इक्युपमेंटस् लाईन, इन सबका नुकसान हुआ है। यह नुकसान हुआ है दक्षिणी-पूर्वी रेलवे में, पूर्वी रेलवे में और उत्तरी रेलवे में। इसका विस्तृत ब्यौरा अभी इक्ट्ठा किया जा रहा है क्योंकि बहुत लंबा-चौड़ा नुकसान है। फिर भी हम मानते हैं कि जो नुकसान हुआ है, जो क्षति हुई है सामान की वह करीब पचास करोड़ है और आवागमन से जो आमदनी होती, उसका जो नुकसान हुआ है वह लगभग पचास करोड़ है, इस प्रकार यह सौ करोड़ है। ऐसा अगर माननीय सदस्य ने हुकुम दिया है तो विस्तृत लेखाजोखा, जो नुकसान का है, सभा के पटल पर रख दिया जाएगा।

चौधरी हरि सिंह : मान्यवर, एक मेरा प्रश्न रह गया, कि किस स्टेट के स्टेशन पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

श्री सभापति : किस रेलवे में ज्यादा नुकसान हुआ है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : अब राज्य के हिसाब से तो नहीं बता सकते, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में ज्यादा नुकसान हुआ है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय सभापति जी, पिछली सरकार के समय आरक्षण के मुद्दे को लेकर के जिस तरह से नौजवानों ने आग लगाकर अपनी जान दी, वह सारे देश के लिए सोचने की बात है। नई पीढ़ी क्लीन स्लेट की तरह होती है, उसका मस्तिष्क और हृदय स्वच्छ होता है।...

श्री सभापति : आप अपना प्रश्न कीजिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उसी पर आ रहा हूं, पंडित जी। यह आज पहला प्रश्न है, कल भी नहीं हुआ।

श्री सभापति : सूत्र में पूछो सूत्र में। पंडित तो सूत्र में बात करते हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उस आंदोलन के दौरान जान की और राष्ट्रीय संपत्ति की हानि हुई है। उसमें आपका अनुमान है कि लगभग सौ करोड़ रुपये की रेलवे की संपत्ति नष्ट हुई होगी। आपकी रेलवे में सुरक्षा की व्यवस्था है, रेल संपत्ति की सुरक्षा के लिए रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, रेल सुरक्षा बल है। उस पर आप कितना खर्च करते हैं ? यह रेलवे सुरक्षा बल आरक्षण विरोधी लहर के दौरान रेलवे-संपत्ति की रक्षा करने में पूर्णतया अयोग्य सिद्ध हुई है, असफल सिद्ध हुई है। तो क्या सरकार नए सिरे से रेल सुरक्षा बल का पुनर्गठन या उसके पेरेलल कोई और महत्वपूर्ण संस्थान रेल की संपत्ति की रक्षा करने के लिए निर्माण करने ज रही है ? और जो 1000 करोड़ रुपए की हानि हुई, है, उसको किन मदों से पूरा करेंगे जैसे बहुत से लोग अपने माल के नुकसान का दावा करते हैं और करोडों रुपया आप रेलवे का उसमें देते हैं। तो इस प्रकार से 100 करोड़ हो सकता है डेढ सौ करोड़ हो, 200 करोड हो, सैंकडों करोड़ का नुकसान हुआ है, उसकी पुर्ति के लिए या क्आपने कोई प्लान बनाया है ? नहीं बनाया है तो क्या बनाएंगें और क्या इसका पूरा विवरण सदन में इसी सत्र में रेवले की सम्पत्ति का जो नुकसान हुआ है आरक्षण के आन्दोलन के दौरान उस पर रखेंगे ? इन सब का दोष एक व्यक्ति का है - विश्वनाथ प्रताप सिंह का, जो तत्कालीन प्रधान मंत्री थे और उनके मंत्री आप भी थे। इस विभाग में नहीं थे, संचार मंत्रालय के आप मंत्री थे। ...

श्री सभापति : आप सवाल करिए वह पहले कहां थे, उसके पहले कहां थे, वह कहां से जीते और क्या किया है यह सब सवाल नहीं है। आप सवाल करिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मंत्री महोदय 100 करोड़ रुपये की सम्पत्ति के विनाश के लिए सारा दोष विश्वनाथ प्रताप सिंह का है, उनकी सम्पत्ति को जब्त करने के लिए कोई योजना बनाएंगे आप ?

श्री जनेश्वर मिश्र : ऐसी कोई योजना नहीं है ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैंने और भी बहुत कुछ पूछा था, उनका जवाब नहीं दिया आपने ।

श्री सभापति : वह सब तो भूमिका थी ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैंने पूछा है कि 100 करोड़ रुपये की आप कहां से, किस रूप में, कौन से स्त्रोतों से भरपाई करेंगे ? कोई आपने प्लान बनाया है या नहीं ? नहीं बनाया है तो क्या बानएंगें और इस सदन में उस पर कोई स्टेटमेंट लेकर आएंगें ? इन सबका आपने कोई जवाब नहीं दिया, मुस्करा कर केवल विश्वनाथ प्रताप सिंह पर टाल दिया ।

श्री जनेश्वर मिश्र : जो नुकसान हुआ 100 करोड़ रुपये का, इसकी कहीं न कहीं से तो भरपाई करनी पड़ेगी चाहे वित्त मंत्रालय के सामने हाथ फैलाकर करें, प्लानिंग कमीशन से निवेदन करें या देश की जनता से निवेदन करें इस पर अभी कोई अंतिम रूप-रेख तैयार नहीं हुई है ।

DR. RATNAKAR pANDEY: What about protection force, Sir?

कुमारी सईदा खातून : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि आपने धन की हानि तो बता दी कि 100 करोड़ रुपये की हुई है, लेकिन जन की भी हानि बताइये कि आप कितने जख्मियों को पैसा बांट रहे हैं ? जो धन-जन की हानि हुए है, उसका स्टेट वाइज ब्यौरा हम चाहते हैं। कितने मार दिये गये हैं. कितने जख्मी हुए हैं या घायल हुये हैं ?

श्री सभापति : यह रेलवे के अंडर है ।

कुमारी सईदा खातून: इस क्वेश्चन से यही जाहिर होता है कि रेल-किराए में, रेलवे फेयर में आप क्या वृद्धि करेंगे?

श्री जनेश्वर मिश्र : इस प्रकार का अभी विचार नहीं है ।

श्रीमती वीणा वर्मा : मैं माननीय मंत्री जी से जनाना चाहती हूं कि आरक्षण विरोधी आन्दोलन की वजह से जो रेलवे सम्पत्ति को भारी नुकसान हुआ है उसकी एक खास वजह बताई जाती है कि रेलवे सुरक्षा बल व गवर्नमैंट रेलवे पुलिस में तालमेल न होने की वजह से हुआ । क्या ऐसा हुआ है ? यदि हां, तो इसको ठीक करने के लिए और सुधार करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रहीं है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : सभापति जी, रेलवे सुरक्षा बल अपनी पूरी ताकत से इसका मुकाबला कर ही नहीं सकत क्योंकि वह छुट-पुट धटनाओं के लिए होता है । जिस तरह का यह बृहद आन्दोलन था, उस आन्दोलन का मुकाबला करने के लिए हमें राज्य सरकारों से मदद लेनी पडती है, लेकिन एकबारगी आन्दोलन होने पर राज्य सरकालों से सम्पर्क करते करते करोडों की सम्पत्ति स्वाहा हो जाती है । बाद में राज्य सरकार, उसके गृह विभाग से सम्पर्क किया गया । समय-समय पर यह कोशिश की गई कि आन्दोलन को देखते हूए कुछ गाड़ियों को मुल्तवी किया जाए, रोका जाए और यह किया भी गया है । हमने पूरी कोशिश की कि हमारे यात्रियों का नुकसान न होने पाए और इसमें रेल विभाग के कर्मचारियों ने काफी सराहनीय काम किया है ।

श्री मंदर लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, बहन सईदा खातून ने जो प्रश्न उठाया था उसको क्लेरिफाई करते हुये मेरा यह प्रश्न है कि रेल संपत्ति के नुकसान के इस प्रश्न के संबंध में जो प्राइवेट प्रोपर्टी रेलवे की कंसाइंमेंट के रूप में दी थी और उसका नुकसान हुआ था उसका भी क्या सरकार ने आकलन किया है? एक

बात और कि ज्यों ही कोई व्यक्ति रेल पर चढ़ जाता है और जब तक वह वापस नहीं उतरता वह प्लेटफार्म से बाहर नहीं जाता तब तक वह रेल संपत्ति के रूप में चलता है तो क्या उन्होंने ऐसे डैड एंड डिसएबिल्ड का कोई आकलन किया है और क्या उनको कोई मुआवजा दिये जाने के लिये तथा प्राइवेट कंसाइमेंट के लिये कोई प्रावधान इस सौ करोड़ के साथ किया है ?

श्री जनेश्वर मिश्र : अध्यक्ष महोदय, यात्रियों के कंपसेनशन की व्यवस्था है। जब कोई दुर्घटना होती है और हमारा कोई यात्री करता है तो उसकी क्षतिपूर्ति होती है । यह दुर्घटना नहीं थी, यह एक आन्दोलन था और आन्दोलन में इस तरह का नुकसान नहीं हुआ है । और जो किसी यात्री की संपत्ति का नुकसान हुआ है इसका ब्यौरा नहीं है ।

कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया : अध्यक्ष महोदय, मंडल कमीशन की अमल की घोषणा के बाद में पूरे देश में असंतोष और अराजकता का वातावरण फैला खासकर के मासूम नौजवानों ने अपनी जान की कुर्बानी भी दे दी क्योंकि उनको लगा कि यह सरकार उनसे धोका कर रही है तथा सरकार बिल्कुल आंख मिचौली करती रही है और पूरे देश में आग लगती रही । जैसा मंत्री जी ने बताया कि जहां तक रेलवे का सवाल है सौ करोड़ का नुकसान हो गया । मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि ऐसे कुछ कदम सरकार उठा चाहेगी, ऐसी कोई योजना बनाना चाहेगी कि सार्वजनिक संपत्ति की हम सुरक्षा ठीक तरह से कर सकें ? और दूसरी बात, जो सौ करोड़ का नुकसान हुआ है उसके लिये मैं मंत्री महोदय से यह आश्वासन लेना चाहूंगी कि जब रेलवे बजट प्रस्तुत करेंगे क्योंकि वैसे ही किराये में बहुत वृद्धि हो गयी है, सामान्य जनता को यह कर का बोझ उठाना नामुमकिन सा हो गया है, मुश्किल सा हो गया है, आगु चलकर वे किराये में वृद्धि नह करगे ?

श्री जनेश्वर मिश्र : बजट के बारे मे कोई भी आश्वासन इस सदन में अभी नहीं दिया जा सकता ।

श्री सभापति : वह भी मंत्री यहीं हैं उनको मालूम है ।

Development work in Papan Kalan and Narela

*22. SARDAR JAG JIT SINGH AURORA: SHRI RAM JETHMALANI:

Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the necessary development work of the land to be allotted t_0 the Cooperative Group Housing Societies at Papan Kalan and Narela, has been completed;

(b) if so, whether the process of allotment of land to the Cooperative Group Housing Societies has started;

(c) if so, the number and names, of Cooperative Group Housing Societies to whom letters have been issued by the DDA in connection with allotment of land; and

(d) what is the stipulated date as per the assessment of Government by which the land is likely to be allotted to these housing societies?

शहरी विकास मंत्री (श्री दौलत राम सारण) : (क) विकास कार्य प्रगति पर है ।

(ख) और (ग) सदन के पटल पर रखे गये विवरण के अनुसार 423 सहकारी समितियों को पेशकश प्रस्ताव पत्र भेजे जा चुके हैं । (भीचे देखिए)

(घ) इस स्थिति में सही समय बताना संभव नहीं है किन्तु जहां तक संभव हो आबंटन शीघ्र किया जायेगा ।